भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3755
दिनांक 23 मार्च, 2023

वैश्विक तेल बाजारों में भारत की भूमिका

†3755. डॉ. प्रीतम गोपीनाथ राव मुंडे:
श्री चंद्र शेखर साहू :
श्री गिरीश भालचन्द्र बापट:
श्री राहुल रमेश शेवाले:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारत वैश्विक तेल बाजारों में उत्तरोत्तर बढ़ती हुई महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) देश में पेट्रोलियम बफर स्टॉक का ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में कोई अप्रिय घटना होने की स्थिति में यह भंडार एक वर्ष के लिए पर्याप्त है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) देश में पेट्रोलियम उत्पादन का ब्यौरा क्या है; और
(ड.) सरकार द्वारा देश में पेट्रोलियम उत्पादन को बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री रामेश्वर तेली)

(क) बीपी सांख्यिकी 2022 के अनुसार भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता, तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता, तीसरा सबसे बड़ा एलपीजी उपभोक्ता, चौथा सबसे बड़ा एलएनजी का आयातकर्ता, चौथा सबसे बड़ा शोधनकर्ता और बढ़ रही ऊर्जा जरूरतों के साथ सबसे तेजी से बढ़ रही प्रमुख अर्थव्यवस्था है। बीपी एनर्जी आउटलुक तथा अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने अनुमान लगाया है कि वर्ष 2040 तक 1 प्रतिशत की वैश्विक दर की तुलना में भारत की ऊर्जा मांग बढ़कर लगभग 3% प्रतिवर्ष हो जाएगी। इसके अलावा, वर्ष 2020-2040 के बीच वैश्विक ऊर्जा मांग वृद्धि में भारत का हिस्सा लगभग 25% होने की संभावना है।

भारत उपभोक्ता देशों को पेश आ रहे उच्च मूल्यों, अत्यधिक अस्थिरता, एशियाई प्रीमियम आदि जैसे मुद्दों को मिलान, इटली में आयोजित गैसटैक-2022, आबूधाबी, यूनाइटेड अरब अमीरात में आयोजित आबूधाबी इंटरनेशनल पेट्रोलियम एग्जीबिशन एंड कान्फ्रेंस-2022 (एडीआईपीईसी-2022), बंगलुरू, भारत में आयोजित इंडिया एनर्जी वीक-2023 सहित विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रमुख उत्पादकों के साथ समय-समय पर उठाता रहा है। भारत तेल और गैस संसाधनों के जिम्मेदाराना ढंग से मूल्य निर्धारण किए जाने का समर्थन करने के लिए तेल और गैस के डोमेन में काम कर रहे पेट्रोलियम का निर्यात करने वाले देशों के संगठन (ओपेक), अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा मंच (आईईएफ), अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) आदि जैसे प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर काम भी कर रहा है।

(ख) और (ग) देश में स्थापित की गईं कार्यनीतिक पेट्रोलियम भंडार (एसपीआर) सुविधाओं की वर्तमान क्षमता 5.33 मिलियम मीट्रिक टन (एमएमटी) है। जिससे लगभग 9.5 दिनों की कच्चे तेल की जरूरत के लिए तेल उपलब्ध करवाए जाने का अनुमान है। इसके अलावा, तेल विपणन कंपनियों (ओएमसीज) के पास उपलब्ध कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की भंडारण क्षमता से अप्रैल-दिसंबर, 2022 के दौरान निवल तेल आयात के आधार पर 77 दिनों का अनुमानित स्टॉक (एसपीआर की क्षमता सहित) उपलब्ध करवाया जा सकता है।

(घ) और (ड.) पिछले तीन वर्षों के दौरान कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के उत्पादन के ब्यौरे निम्नानुसार हैं:-

	2019-20	2020-21	2021-22 (पी)
कच्चे तेल का उत्पादन (एमएमटी में)	32.2	30.5	29.7
पेट्रोलियम उत्पादों का उत्पादन (एमएमटी में)	262.9	233.5	254.3

तेल और गैस का उत्पादन बढ़ाने तथा आयात निर्भरता में कमी करने के उद्देश्य से अनेक दीर्घकालिक और अल्पकालिक नीतिगत पहलें की गई हैं जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ खोजे गए लघु क्षेत्र संबंधी नीति-2015, हाइ ोकार्बन अन्वेषण और लाइसें सग नीति-2016, कोल बेड मीथेन (सीबीएम) के अन्वेषण और दोहन के लिए नीतिगत ढांचा, मौजूदा खोजों का शीघ्र मौद्रीकरण, रु ण कूपों का पुनरु ार, मौजूदा पुराने क्षेत्रों का पुन: विकास तथा नए क्षेत्रों/सीमांत क्षेत्रों आदि का विकास शामिल है। देश के भू-वै ानिक डाटाबेस को सुदृढ़ करने तथा निवेशकों/संस्थाओं को ईएंडपी आंकड़ों की उपलब्धता को सुसाध्य बनाने के उद्देश्य से नेशनल डाटा रिपोजिटरी (एनडीआर) की भी स्थापना की गई है।

***